

‘नमामागिंगे’ में अब भूगर्भ जल को भी साफ करने की योजना

चर्चा में क्यों?

26 दिसंबर, 2022 को बहिर शहरी अवसंरचना विकास नगिम (बुडको) के एमडी धर्मेंद्र सहि ने बताया किराज्य में नमामागिंगे परयोजना के तहत नदियों के साथ ही भूगर्भ जल को भी स्वच्छ रखने का काम शुरू होगा, जिसके लयि 78 छोटे शहरों का चयन भी कर लयि गया है ।

प्रमुख बदि

- बुडको के एमडी धर्मेंद्र सहि ने बताया किराज्य परयोजना के तहत बहिर के 78 छोटे शहरों के नाले का पानी भी साफ होकर नदियों या तालाबों में गरिगा । इन शहरों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने का काम जलद शुरू होगा ।
- वदिति है किराज्य में कई शहरों के नाले का पानी सीधे नदियों में गरिया जा रहा है । कई शहरों में तालाब या नचिले भूखंडों में बहा दयि जाता है । दो माह पहले इन छोटे शहरों या नकियों का चयन कयि गया है, जिसमें बीस हज़ार से ऊपर की आबादी वाले कुल 138 शहरी नकिय हैं ।
- उन्होंने बताया किरवर्तमान में 26 शहरी नकियों में एसटीपी बनकर तैयार है । वहीं 18 शहरों या नकियों में एसटीपी के लयि डीपीआर को स्वीकृति मलि चुकी है । दो नकिय बक्सर और खगड़यिा की डीपीआर को संशोधति कयि जा रहा है । तीन अन्य नकियों- राजगीर, बोधगया और बहिरशरीफ में भी एसटीपी का काम चल रहा है । ग्यारह नए शहरों में एसटीपी की डीपीआर बनाने के लयि एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं । इस तरह कुल 60 नकियों या शहरों के लयि एसटीपी बनाने का काम या तो हो गया है या फरि प्रक्रयिा में है ।
- धर्मेंद्र सहि ने बताया किरनदी-तालाबों सहति वभिन्न जलस्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने पर राज्य सरकार लगातार काम कर रही है । जल-जीवन-हरयिाली योजना के अंतर्गत भी इस पर काम हो रहा है । राज्य के छोटे शहरों के गंदे पानी को भी साफ करने के लयि ट्रीटमेंट प्लांट बनाने का नरिणय लयि गया है ।
- उन्होंने बताया किरसरकार ने राज्य के सभी जलस्रोतों का सर्वे कराने का भी नरिणय लयि है ताकउनका सटीक आँकड़ा मलि व उसके आधार पर योजना बने और इन जलस्रोतों को मछली उत्पादन के लयि विकसति कयि जा सके । इससे राज्य का भूजलस्तर तो बेहतर होगा ही, जलस्रोतों का पानी भी साफ-सुथरा रहेगा ।
- परयोजना के तहत ज्यादातर छोटे नकियों में एफएसटीपी (फकिल सलग ट्रीटमेंट प्लांट) यानी अपशषिट शोधन संयंत्र लगाया जाएगा । अभी ज्यादातर छोटे शहरों में सेप्टिक टैंक भरने पर उसे नालियों में बहाने या टैंकर के माध्यम से दूसरे स्थानों पर नालों में फेंका जाता है । अब इसका सुरक्षति तरीके से नसितारण हो सकेगा । इससे भूगर्भ जल प्रदूषण से नजित मलिगी । साथ ही जैवकि खाद और बेकार पानी से खेतों की सचिाई भी हो सकेगी ।